

The Lord's Prayer (Matthew 5:3-12)



www.ladakhbible.org

Ladakhi Bible



एतेष्व एवं पूर्वे ज्ञानात्मा।

अमाप्रद ब्रह्मादिके इब्रदे-

यस, त्रिसदिन मे अमात्मके-

केऽस शप्तिष।

त्रिसदि शुभश्चिद् शुशश्य-

प्रेप्तिष।

त्रिसदि त्रष्णात्मक अमाप्रदे-

असदि त्रष्ण त्रष्णाय, रे-

हिष्ठेक्तिगदि त्रष्णिष।

द्विसदि इब्रद असद्वामि द्विस-

द्विस द्विः।

इब्रदे त्रिष्ण त्रष्णात्मक्य-

प्रष्णाय द्विस द्विः ग्रुष्णी-

इब्रदे शुशश्य त्रिष्ण-

त्रष्णात्मक्य इब्रदे प्रष्णाय-

द्विसप्तिष।

हेत्तुल्लदे त्रुष्णाय त्रिष्ण त्रित्तेष्व-

इब्रद त्रुष्णप्रद्वद, यदि इव-

त्रिष्ठन्ते इब्रद प्रद त्रुष्ण द्विः

शुभश्चिद्, अस, द्विः श्विसदि-

हेत्तुल्ल त्रुष्णत्रुष्ण त्रिसदि, यिष्ठेष।

अप्तिष।

द्विसप्ते श्विसदिष्वि वद्विष्वे श्विसदि 6:9 के 13